This question paper contains 3 printed pages.]

7761 *आपका अनुक्रमांक* .....

M.A. (एम.ए.) / II **A**

HINDI (हिन्दी)

Group B – Ritikaleen Kavya

वर्ग (ख) – रीतिकालीन काव्य

Paper 16 – Riti Itar Kavya

प्रश्न-पत्र 16 – रीति-इतर काव्य

समय : 3 घण्टे *पूर्णांक : 50*

(इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

नोट : *प्रश्नपत्र पर अंकित पूर्णांक एम.ए. हिन्दी परीक्षा के वर्ग 'ब' (स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग एवं नॉन-फॉर्मल सैल आदि) के परीक्षार्थियों के लिए मान्य है। वर्ग 'अ' (नियमित पूर्व विद्यार्थियों) के लिए इन अंकों का समानुपातिक पुनर्निर्धारण परीक्षाफल तैयार करते समय किया जाएगा।*

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) क्या हमीर मगरूर पलक मैं पाय लगाऊँ।
खूनी महिमा साह उसे गहि दिल्लिय लाऊँ॥

जीति राव हमीर तोरि गढ़ धूरि मिलाऊँ।
इति जो न अब करूँ तौन पतसाह कहाऊँ॥
केतोक राज रएथंभ को इतो कियो अभिमाँन तिहिं।
कोपि साह भेजे जबै दसौं फर्मान जिहिं॥

अथवा 7

कोलाहल सुनि खगन के, सरवर! जनि अनुरागि।
ये सब स्वारथ के सखा, दुरदिन दैहैं त्यागि॥
दुरदिन दैहैं त्यागि, तोय तेरौ जब जैहैं।
दूरहिं तें तजि आस, पास कोऊ नहिं ऐहैं॥
बरनै दीनदयाल तोहि मथि करिहैं काहल।
ये चल छल को मूल भूल मति सुनि कोलाहल॥

(ख) यह पंछी मैं जिय सों पाला, बचनन अंचएउ परमद-हाला।
रहा प्रान-विस्रामी मेरो, कोमल, तासों काज करेरो॥
महापीर मोंहि सुवा-वियोगू, नासत रहा वचन सों रोगू।
आज आप सों करौं निरारा, धरम तोर औ सुवा पियारा॥
सदा दयालु सुवा पर रहना, दाया-प्रीति-बचन नित कहना।
प्रीति-दया बस है संसारा, प्रीति-फाँद सब फाँदनिहारा॥
जेहि पीरित औ दाया, तेहि बस लोग।
जगत होई विसमादी, परत वियोग॥

अथवा 7

रंका नाम कबीर, सेन सदना कुलहीना।
पदम परस रैदास, धना नापा सु कमीना॥

देगू दीपू कौन, कौन कीता सु कनेरी।
विदुर वाँदरा वंश, जाति सब ही की हेरी॥
शुक्ल हंस से गोत गत, नीच न को इन से करैं।
'रज्जब' भजन प्रताप से, सकल वंश सिर पर धरैं॥

2. 'हम्मीर रासो' की वर्णन-पद्धति में वीरगाथा काल की छप्पय-पद्धति का अनुकरण मिलता है। इस कथन पर विचार कीजिए।

अथवा 12

प्रबंध-काव्य के रूप में हम्मीर रासो के रचना-विधान का विवेचन कीजिए।

3. 'अन्योक्तिकल्पद्रुम' के आधार पर सूक्तिकार के रूप में दीनदयाल गीरि के महत्व का मूल्यांकन कीजिए।

अथवा 12

'अन्योक्तिकल्पद्रुम' की काव्य-शैली पर विचार कीजिए।

4. 'अनुराग बाँसुरी' प्रेमकाव्य है अथवा धर्मकाव्य ? युक्ति-संगत विचार कीजिए।

अथवा 12

'रज्जब वाणी' के आधार पर रज्जब के काव्य-वैशिष्ट्य का उद्‌घाटन कीजिए।